# Yash Raj Institute of Education

YASHRAJ
A Symbol of True Education

99199 31333
96284 25666

(Affiliated to Lucknow University, Lucknow)
Baghamau, Sector-6, Near Power House, Gomti Nagar Extn., Lucknow-226010.
E-mail : yashrajie@gmail.com; Web : www.yrie.org


Ref. No. YRIE/03/2022-23/76

Date : 02/03/2022

कुल सचिव का कार्यालय
डाक प्राप्ति
संख्या 2668
तिथि 14/3/22
लखनऊ विश्वविद्यालय
लखनऊ–226007

सेवा में,

कुलसचिव,
लखनऊ विश्वविद्यालय,
लखनऊ।

**विषय :- सम्बंधित महाविद्यालय द्वारा समाचार पत्रों में प्रकाशित शिक्षकों की नियुक्ति हेतु विज्ञापन विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कराने के सम्बन्ध में।**

महोदय,

सादर अवगत कराना है कि महाविद्यालय यश राज इंस्टीट्यूट ऑफ एजूकेशन, बाघामऊ, गोमतीनगर विस्तार-6, लखनऊ में स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रम में बी0बी0ए0, बी0सी0ए0 व बी0एस0सी0 शिक्षकों की नियुक्ति हेतु विज्ञापन दो हिन्दी दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित कर दिया गया है।

अतः श्रीमान जी से निवेदन है कि उक्त विज्ञापन को लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कराने की कृपा करें।

सादर,

**संलग्नक: विज्ञापनों की छायाप्रति संलग्न है।**

भवदीय

प्राचार्य
यशराज इंस्टीट्यूट ऑफ एजूकेशन
बाघामऊ, लखनऊ

इंचार्ज (वेबसाइट)

Reg
14.3.2022

2011 से कर रहे थे। ...र भी कोई भी आरोप लगा ...र फिर उससे भी ज्यादा से ...से जवाब मांगो। केजरीवाल ...न टू वन (दो लोगों की आपसी ...तचीत) में क्या कहा। किसी को नहीं मालूम। हो भी नहीं सकता। मगर दोनों में से एक व्यक्ति कह रहा है कि यह कहा। और आज नहीं। बहुत पहले। कितने? पांच साल पहले। भाई जब इतनी खतरनाक बात थी तुमने तब क्यों नहीं बताई? राष्ट्र की सुरक्षा से जुड़ा कोई मुद्दा, जानकारी छुपाना भी अपराध है। नैतिकता की तो हम बात ही नहीं कर रहे। इन लोगों से नैतिकता की उम्मीद करना अपने आप में मजाक है। मगर पंजाब तोड़ने जैसी खतरनाक बात आपसे कोई कर रहा है। और आप पांच साल चुप रहे! इसी पंजाब को बनाए रखने के लिए इन्दिरा गांधी ने अपनी जान कुर्बान कर दी। देश की सुरक्षा से जुड़ी सूचना छुपाना बड़ा अपराध है। हम यहां और तकनीकी बात में जा ही नहीं रहे कि अगर खालिस्तान बना रहे थे तो वहां एक हिन्दू (केजरीवाल) को प्रधानमंत्री कैसे बना लेंगे? यहां राजनीति के आदर्श नियम बताना उद्देश्य नहीं हैं। बस यह बता रहे हैं कि इन लोगों की राजनीति क्या है? गांधी जी ने साधनों की बात क्यों की थी? इन लोगों की भाषा क्या है? चिंटू, बौना और भी न जाने क्या क्या? हम तो सुनते नहीं है। अन्ना हजारे इनके गुरु शरद प्रवार जैसे बड़े नेता के गाल में चांटा मारने पर क्या कहते हैं? एक गाल पर क्यों? दूसरे पर क्यों नहीं मारा? मनमोहन सिंह जैसे सज्जन और अन्तरराष्ट्रीय ख्याति के अर्थशास्त्री के लिए चोर चोर के नारे लगाना। 2011 के बाद देश की राजनीति में सभ्यता, परस्पर सम्मान, लिहाज सब खत्म कर दिए। आप और भाजपा के नेताओं ने होड़ करके एक से एक क्रूर, असभ्य शब्दों का इस्तेमाल किया। यहां तक की अभी आसाम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वासरमा मां की गाली तक उतर आए। नतीजा आज एक सबसे बड़ा वाला खुद अपने बनाए जाल में ही फंस गया। दूसरे भी इसी तरह फंसेंगे। आडवानी को किसी और ने नहीं मारा। खुद उनके साथ के लोगों, शिष्यों ने यह दुर्दशा

राष्ट्रपति के चुनाव हैं। आडवानी अभी भी ललचाई निगाहों से उधर देख रहे हैं। झूठ, नफरत, विभाजन की राजनीति की शुरुआत उन्होंने ही की थी। अपने ही लोगों में यह योग्यता काम नहीं आई। और बहुत अपमानित ढंग से किनारे कर दिए गए। नफरत की राजनीति का यह यह अनिवार्य परिणाम है। एक नफरती को दूसरा बड़ा नफरती निपटा देता है। आज कुमार विश्वास को बड़ा समर्थन मिल गया। कांग्रेस और भाजपा दोनों का। केन्द्र सरकार ने वाय केटेगरी की सुरक्षा दे दी। मगर यह सब नकली जिरह बख्तर हैं। असली रक्षा कवच होता है आपके विचार। सत्य की ताकत। हुई मुद्दत की गालिब मर गया पर याद आता है! गांधी नेहरू की प्रो पिपुल (जन हितकारी) राजनीति। पचहत्तर साल हो रहे हैं। पांच पीढ़ियां बदल गईं, मगर गांधी को आज भी गाली देना पड़ती है। प्रतिमा तोड़ना पड़ती है। नेहरू की तारीफ वहां की संसद में सिंगापुर के प्रधानमंत्री करते हैं। यह प्रेम की, सत्य की और आम लोगों के लिए की गई राजनीति का मीठा फल है। दूसरी तरफ छल प्रपंच की राजनीति कांटे ही कांटे पैदा करती है। शुरू में जब भले लोगों को लग जाता है तो बिखेरने वाले बहुत खुश होते हैं। मगर कुछ समय बाद खुद ही चारों तरफ से अपने उगाए हुए कांटों से घिर जाते हैं। आज केजरीवाल ऐसे ही कांटों से घिर गए हैं। आगे दूसरे भी नहीं बच पाएंगे।

## कांग्रेस विधायक के बड़े भाई व युवक की दुर्घटना में मौत

(एजेन्सी)

उज्जैन।उज्जैन जिले की घट्टिया विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक रामलाल मालवीय के बड़े भाई व एक युवक की रविवार रात दुर्घटना में मौत हो गई। जबकि विधायक का पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इंदौर रेफर किया गया है। तीनों कार से आलोट में रिश्तेदार के यहां आयोजित विवाह समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। आगर रोड पर कव्वाली फंटे के समीप कार ट्रेक्टर–ट्राली से टकरा गई।

समतामूलक रिकवरी का मार्ग और बड़ी पहल की जरूरत है।


**YASH RAJ INSTUTITE OF EDUCATION**

**Associated by University of Lucknow.**

Application are invited for the post of Lecturer in following Course

**Bachelor of Business Administration (B.B.A.)**

**Bachelors of Computer Applications (B.C.A.)**

Eligibility Criteria: Above 50% marks in academic qualification & MBA 55% for BBA course and MCA 55 % for BCA course, As per Lucknow University Norms eligible candidates are requested to send their bio-data with photocopies of all self-attested documents through email/registered post within 07 days from date of advertisement

**ADDRESS: BAGHAMAU, GOMTINAGAR, EXTN. SECTOR-6, LUCKNOW-226010**

**MOB. 9919931333, 8303700422**

**Email id:- yashrajie@gmail.com.**

आवश्यकता है-

यश राज इंस्टीट्यूट ऑफ एजूकेशन, गोमतीनगर विस्तार, लखनऊ 226010-

में निम्न पदों हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित है-

**स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय के अन्तर्गत-**

भौतिक विज्ञान (01 पद) रसायन विज्ञान (02 पद) जन्तु विज्ञान (01 पद) वनस्पति विज्ञान (01पद) एवं गणित (01 पद) योग्यता सम्बन्धित विषय में परास्नातक स्तर पर 55% अंको के साथ नेट/पी.एच.डी. वेतनमान सेवा एवं शर्तें – संबंधन निकाय के मानकानुसार।

नोट- अभ्यर्थी आवेदन-पत्र के साथ चार फोटो, आधार कार्ड व पैन कार्ड तथा शैक्षणिक योग्यता से सम्बन्धित समस्त संलग्नकों सहित विज्ञापन की तिथि से 15 दिन के अन्दर महाविद्यालय के कार्यालय में जमा करें अथवा ई-मेल से या पंजीकृत डाक से भेजें।

सचिव-9919931333, 9628425666

ई-मेल yashrajie@gmail.com

पता:- बाघामाऊ, गोमतीनगर विस्तार-6, लखनऊ उत्तर प्रदेश- 226010



पब्लिक की लहर
23/03/2022